

त्यादिष्टं मया तत्र त्वयि कर्मविमोक्षिते **Bhāg. P. 2, 9, 22.** अथ वा वै परगु-
णां बुद्धिं प्रत्यादिशति नः **R. 5, 81, 44.** — 2) *Jmd (acc.) Etwas wieder-*
berichten: यत्कथयेत्पतिस्ते यद्यप्यगुह्यं परिर्लितव्यम् । काचित्सपत्नी
तव वामुदेवं प्रत्यादिशत् **MBh. 3, 14717.** — 3) *Jmd vorladen:* संजी-
वकः प्रत्यादिश्यताम् **HIT. 71, 16.** — 4) *zurückweisen, abweisen:* ऋजुप्र-
णामक्रिययैव तन्वी प्रत्यादिदेशेनम्भाषमाणा **RAGH. 6, 25. R. 5, 26, 23. ÇĀK.**
127, 136, v. 1. किमकमेतं ब्रह्मधरसमयं न प्रत्यादिशामि **VIKR. 56, 1, 2, 9.**
अन्तःशरीरेष्वपि यः प्रज्ञानो प्रत्यादिदेशाविनयं विनेता **RAGH. 6, 39.** प्रत्या-
दिष्टविशेषमण्डनविधि **ÇĀK. 133.** प्रागपि सो ऽस्माभिरर्थः प्रत्यादिष्ट एव
72, 9. रघुवंशप्रदीपेन तेनाप्रतिमतेजसा । रत्नागङ्गता दीपाः प्रत्यादिष्टा स्वा-
भवन् ॥ **RAGH. 10, 69.** तव मन्त्रकृतो मन्त्रैर्हरात्प्रशमितारिभिः । प्रत्यादिश्य-
न्त इव मे दृष्टलक्ष्यभिः शराः ॥ **1, 61.** प्रत्यादिष्ट = प्रत्याख्यात **AK. 3, 1,**
40. H. 1474. — 5) *zurückweisen s. v. a. überwinden, besiegen:* प्रत्या-
दिष्ट **MBh. 14, 2460.** — Vgl. प्रत्यादिष्ट.

— व्या 1) *einzelnen anweisen, — zuweisen, — zutheilen, zutheilen*
überh.: प्रज्ञापितेर्देवियो यज्ञान्व्यादिशत् **TS. 1, 7, 3, 2, 3, 6, 1.** अनाद्यम्
6, 3, 1. ÇĀT. Br. 4, 1, 2, 7. LĀTJ. 8, 7, 5. KĀTJ. Çr. 22, 5, 15. ब्रह्मा क्रमेण
राज्यानि व्यादिष्टमुपचक्रमे **HARIV. 12490.** कञ्चित्तेलोक्यराज्यं ते व्यादिष्टं
प्रूलापाणिना **9848.** नक्तं चराणां भूतानां व्यादिदेश ब्रह्मं तदा **MBh. 14, 1924.**
12, 9769. आसनं चास्य — व्यादिदेश **R. 1, 32, 2.** भर्ता तु मम यत्वेव लोक-
नाथस्य भार्यया व्यादिष्टः **HARIV. 9960.** — 2) *anweisen, anzeigen:* व्यादि-
ष्ट मे देशं सोदकम् **R. 3, 19, 12.** — 3) *anweisen, auseinandersetzen, lehren:*
कर्मकाण्डव्यादिष्टपद्धति (यज्ञविद्या) **PRAB. 107, 5.** — 4) *die Weisung ge-*
ben, vorschreiben, anbefehlen; Jmd (acc.) anweisen, einen Befehl, — Auftrag
ertheilen, abordnen: यद्यादिष्टेकार्यम् **R. 2, 21, 58.** व्यादिश्य **R. GORR. 2,**
68, 44. 110, 20 (Schl. 101, 23). दृष्ट्वा च विश्वकर्माणं व्यादिदेश पितामरुः ।
सुख्यतां प्रार्थनीयिका प्रमदति **MBh. 1, 7689.** व्यादिदेशाथ दुर्जयम् । गच्छ
दुर्जय 7, 5492. **HARIV. 116. 10316.** व्यादिदेशानुयात्रम् **MBh. 3, 16653. R.**
1, 67, 2. R. GORR. 2, 86, 21. 4, 47, 2. पुत्रान् — व्यादिदेश यज्ञसंभारकारणात्
R. Schl. 1, 39, 6. अन्वेषणे ऽनिरुद्धस्य चरान्व्यादिष्टेवास्तदा **HARIV. 10317.**
10139 (p. 791). R. 1, 12, 27. व्यादिदेश गणशः स पार्श्वगान्कार्मुकाभिरु-
णाय **RAGH. 11, 43. KUMĀRAS. 3, 13.** शीघ्रं व्यादिश नो राजन्ब्रधायैषाम् **R.**
5, 89, 51. ततश्चाश्व व्यादिष्टाः पार्थिवेन — कृया रथाश्च व्यादिष्टाः पार्थिवेन
HARIV. 10318. नकुलं सकृदेवं च व्यादिदेश द्विजान्प्रति **MBh. 3, 12443.**
व्यादिशत्सैनिकान्काञ्चिदृष्यप्रज्ञाय **R. 1, 17, 30 (GORR. 19).** व्यादिदेश रणे
प्रूरानन्यान् **HARIV. 10139 (p. 791).** व्यादिदेशाथ पूर्वस्यां प्रकृस्तं द्वारि रा-
जसम् **R. 6, 12, 17. fgg.** — 5) *von Jmd (acc.) aussagen, vorhersagen:* इयम्
— केनापि — मत्सत्तं व्यादिष्टा (v. 1. आदिष्टा) । वत्सरमात्रमियं प्रेष्यभाव-
मनुभूय ततः सदृशभर्तृगामिनी भविष्यति **MĀLAV. 69, 13. fgg.; vgl. u. समा 3.**

— समा 1) *anweisen, zuweisen, zutheilen:* एकमेव तु प्रूहस्य प्रभुः कर्म
समादिशत् **M. 1, 91.** तस्मै राज्यं समादिश्य **R. 1, 43, 3. MBh. 4, 1024.** — 2)
aussagen, verkünden, zu wissen thun, lehren: राज्ञे समादिशत् **DAÇAK.**
123, 2 v. u. देव्या विलुभन्त्या समादिष्टं यथा संकल्पयोनयो देवता भवति
PRAB. 113, 9. यथा हि मृत्यामभिजातकोविदाः समादिशन् **Bhāg. P. 1, 16, 1.**
प्रायेण सन्तो व्यसने रिपूणां यातव्यमित्येव समादिशन्ति **KĀM. NITIS. 13, 2.**
चित्रामु (केतुभिराधूमितासु स्पृष्टासु वा) कुरुतेत्राधिपस्य मरणं समादिशे-
त्प्राज्ञः **VARĀH. BRH. S. 11, 58. BRH. 4, 9.** — 3) *bestimmen, bezeichnen,*
nennen: एकदेशं च शाखायाः समादिष्टाम् **MBh. 3, 2829.** समादिशन्

नियमं प्रायश्चित्तं यथा भवेत् **R. 1, 8, 14.** तस्मिन्मुध्वन्नकृत्वि भगवान्य-
त्समादिशत् **Bhāg. P. 3, 21, 37.** *Jmd bezeichnen als, von Jmd aus-*
sagen, voraussagen: तो नारदः — समादिदेशैकवधूं भवित्रीं प्रेम्णा श-
रीरार्थकुरां हरस्य **Nārada sagte von ihr aus, dass sie einst die alleinige**
Gemahlin Çiva's sein werde, KUMĀRAS. 1, 51. मां देवी स्वप्ने किला-
म्बिका । मानुषः पुत्रि भर्ता ते भवितेति समादिशत् **KATHĀS. 26, 62.** समा-
दिश्यत तैर्नैवं स्वप्ने देवेन तुष्यता । उत्तिष्ठेत्पत्स्यते को ऽपि महात्मा त-
नयस्त्वव ॥ **22, 117.** आर्यकनामा गोपालदारकः सिद्धदिशेन समादिष्टो राजा
भविष्यतीति **MĀRĪK. 33, 22; vgl. MĀLAV. 69, 14.** — 4) *Jmd anweisen,*
einen Befehl ertheilen, auffordern, beauftragen, abordnen: ब्राह्मणं रा-
जनि (Soma) समादिश्य **LĀTJ. 5, 6, 5. 8, 7.** नापितं समादिशति अनापवन्वप
KAUC. 54. 87. MBh. 1, 7663. N. 17, 37. ARG. 3, 10. R. 1, 70, 5. 3, 49, 57. 50, 1.
61, 1. SŪRJAS. 1, 7. VID. 196. 200. KATHĀS. 4, 104. शरत्रतिः सुतीक्ष्णायैः समा-
दिष्टैः खैरिव **MBh. 4, 1714.** ततो मरुत् — वलं समादिश्यति **R. 5, 37, 38. 39, 32.**
समादिदेशेन्द्रजितं रणाय **43, 1.** मरुत्पतीनां पृथगर्कणार्थं समादिदेशाधिकृतान्
RAGH. 7, 26. VIKR. 11, 16. ततो ऽशीतिसकृन्नाणि किंकराणां समादिशत्
— विनाशाय मारुतेः **BHĀTJ. 9, 3.** मरुत्शरणे — शय्याग्राणि भक्तयितुं समा-
दिष्टः **PAÑĀT. 23, 4.** प्रभो समादिश *befehl* **63, 21.** Statt des blossen acc.
auch प्रति mit dem acc.: सुखोपविष्टं कुलशीलवृद्धान्समादिशत् प्रति मन्त्रि-
मुष्यान् **R. 5, 44, 20.** — Vgl. समादिश. — *caus. befehlen* **PAÑĀT. 171, 8.**

— प्रतिसमा 1) *entgegen, erwidern:* प्रतिसमादिशत् **DAÇAK. 124, 3.** —
2) *Jmd anweisen, einen Befehl ertheilen:* इति प्रतिसमादिश्य राजसीः **R. 5,**
24, 35. 6, 104, 45. partic. प्रतिसमादिष्ट 3, 23, 25. 62, 34. 4, 40, 70. 32, 6.
6, 1, 12. 98, 1. 109, 11. MĀRĪK. P. 8, 106.

— उद् 1) *hinzeigen, hinrichten:* प्रागुदीचोमुदिशति (Schol. = उद्यमयति)
ÇĀNEH. Çr. 2, 9, 22. — 2) *anzeigen, bezeichnen, angeben, bestimmen:* पन्थानम्-
पिषोद्विष्टम् **R. 2, 36, 4.** प्रथमोद्विष्टमास्पदम् **KUMĀRAS. 6, 35.** करणं वान्यडुद्-
शेत् **M. 8, 52.** इतरेषु त्वपाञ्जेषु यद्योद्विष्टेषु **M. 3, 182.** यदन्यदपि नोद्विष्टं
तत्रापि क्रियते मतिः **R. 4, 44, 127.** यद्योद्विष्ट्यापारा **ÇĀK. 94, 7.** पूर्वोद्वि-
ष्ट **MEGH. 31.** काले मावत्सरोद्विष्टे **VARĀH. BRH. S. 32, 98. 87, 22.** उद्विष्ट-
प्रतिनिर्दिष्ट *Schol. zu KĀTJ. Çr. 106, 21. 107, 4.* तत्रापि श्रद्धिहृदिष्टा
MĀRĪK. P. 35, 50. sprechen von R. GORR. 1, 64, 16. कार्यं मामेवोदिशति
ÇĀK. 94, 1. von *Jmd (acc.) aussagen, verkünden, vorhersagen:* तं साधुभि-
रुद्विष्टः प्रथममेव चक्रवर्तिनं पुत्रं जनयिष्यतीति **ÇĀK. 71, 11. bezeichnen**
als, unter Etwas (acc.) Etwas (acc.) meinen: एकादशेन्द्रियवधा सह बु-
द्धिबधैरशक्तिरुद्विष्टा **SĀMĀKĀJAK. 49.** क्रान्तिश्च गतिरुद्विष्टा **MĀRĪK. P. 26, 17.**
das praed. im loc.: अनेउमक उद्विष्टः शठे **Med. k. 223. n. 231. bezeich-
nen —, bestimmen zu: विद्याधरांस्तास्तान्वरानुदिशतो बहून् । पितुः
KATHĀS. 26, 63. — 3) *anweisen, auseinandersetzen, lehren:* समासेन ते-
षां प्रस्थानभेदो ऽत्रोद्विश्यते **MADHUS. in Ind. St. 1, 13, 4.** सतो केनोद्विष्टं
विषममसिधारात्रतमिदम् **BHĀTJ. 2, 54. 61.** — 4) *absol. उद्विश्य mit Hin-*
weisung auf (acc.) so v. a. gegen, auf, zu, nach; zur Bez. des Zieles
(लक्ष्यम् kann dabei stehen) einer Bewegung: संधाय चापे तानासु लक्ष्य-
मुदिश्य राजसान् । मुमोच राघवो वापान् **R. 3, 26, 20.** तमेव मृगमुदिश्य
तं शरं राघवः शितम् । मुमोच **30, 17.** तमुदिश्य तत्रपतिना लगुडः प्रतिपतः
HIT. 23, 12. Bhāg. P. 4, 13, 22. उत्तरो दिशमुदिश्य प्रस्थानमुपचक्रमे **R. 1,**
33, 17. 2, 54, 2. PAÑĀT. 52, 2. 170, 12. 191, 25. प्रतस्ये ऽगत्यमुदिश्य **R.**
3, 16, 1. PAÑĀT. 23, 20. 36, 15. 64, 17. 69, 14. वेकारं नेत्रयोर्मुञ्जाकारं**